सभी हुरूफ़ के मख़रज

मख़रज उस जगह को कहते हैं जहाँ से हरफ़ की आवाज़ निकलती है और मख़रज की जमा मख़ारिज आती है, इसलिए ऊपर लिखा हुआ है मख़ारिज । क़ुरआन पाक में 29 हुरूफ़ हैं और 29 हुरूफ़ के 17 मख़ारिज हैं। अलिफ, वाव और या मद्धा के निकलने की कोई जगह नहीं है, ये मुँह की खाली जगह से अदा होते हैं। इसलिए हमने नंबर (ب) से ही शुरू किया है। एक मख़रज के लिए हुरूफ़ को हमने एक ही जगह लिख दिया है। अब आप तरतीब से तमाम हुरूफ़ के मख़ारिज याद करें।

	Huroof	Makharij
*	ا	**अलिफ** मुँह की खाली जगह से
1	ب	**ब** दोनों होंठों का तर हिस्सा आपस में मिले
2	م	**मीम** दोनों होंठों का सूखा हिस्सा आपस में मिले
3	ف	**फ़ा** ऊपर के दाँतों का किनारा नीचे के होंठ से लगे
4	و	**वाव** दोनों होंठ जब गोल हो जाएँ
5	ت،د،ط	**ता, दाल, ता** ज़बान की नोक और सामने वाले ऊपर के दाँतों की जड़
6	ث،ذ،ظ	**स, ज़ाल, ज़ा** ज़बान की नोक और सामने वाले ऊपर के दाँतों का किनारा
7	ج،ش،ی	**जीम, शीन, या** ज़बान का बीच ऊपर के तालू से लगे
8	ز،س،ص	**ज़ा, सीन, स़ाद** ज़बान की नोक और ऊपर नीचे के दाँत थोड़ा आपस में मिलें
9	ر	**रा** ज़बान की पुश्त ऊपर के चार दाँतों के मसूड़ों से लगे
10	ن	**नुन** ज़बान की पुश्त ऊपर के छह दाँतों के मसूड़ों से लगे
11	ل	**लाम** ज़बान की पुश्त ऊपर के आठ दाँतों के मसूड़ों से लगे
12	ض	**ज़ाद** ज़बान की करवट ऊपर की दाढ़ों की जड़ से लगे
13	ق	**क़ाफ** ज़बान की जड़ अपने ऊपर वाले हिस्से में लगे
14	ك	**काफ** ज़बान की जड़ से कुछ पहले का हिस्सा अपने ऊपर वाले हिस्से से लगे
15	غ،خ	**ग़ईन, ख़ा** हल्क़ का मुँह की तरफ वाला हिस्सा
16	ع،ح	**अईन, ह़ा** हल्क़ का दरमियान वाला हिस्सा
17	ء،ه	**हमज़ा, हा** हल्क़ का सीने की तरफ वाला हिस्सा